टू फाल शार्ट आफ इनवेस्टमेंट गोल" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो सातवीं योजना अवधि में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा पूंजीनिवेश के लिये क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था ; और

(ग) क्या उस लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया हैं, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

पंजाब में लघु उद्योगों में 75,000 युवाओं के लिए नौकरियों का प्रावधान

1295. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने पंजाब में लघु उद्योगों को ऋण और कच्चा माल प्रदान करके उस राज्य में लगभग 75,000 युवाओं को नौकरियां देने की योजना तैयार की है ;

(ख) यदि हां, तो इस योजना से किन-किन उद्योगों को लाभ मिलेगा ;

(ग) क्या सरकार ने इन उद्योगों को चलाने के लिये प्रशिक्षण-केन्द्र खोलने का भी प्रबंध किया हैं, और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में लघु उद्योग एवं कृषि और ग्रामीण उद्योग विभाग में राज्य मंत्री (श्री ओकान्त जेना) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

Sale of coal by registered coal dealers

1296. SHRI RAM AWADHESH SINGH: Will the Minister of ENERGY be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Coal India Ltd. supplies coal to the consumers like Hindustan Lever, automobile, textile and energy sectors and that many units in these sectors show double or triple of their required consumption and thus by getting two or three times more allotment sell the extra coal in black market at a very high price due to which small consumers of coal like Hotel owners, Bakery owners, Laundary owners, Tea Shops owners, Drug manufacturing companies and Cottage industries etc. are forced to buy this coal in black market at very high prices as a result of which common consumer goods of daily use become costlier;

(b) whether Government are contemplating steps to ensure easy availability of coal to important consumers through old registered coal dealers so that common man may get the goods of daily use at fair price; and

(c) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. UPENDRA) (a) No, Sir, Coal India Ltd. (CIL) supplies Coal to coal consumers on the basis of linkages sanctioned or sponsorship received from ths Central and State sponsoring agencies who assess the requirement of coal of the consumers. A small quantity of coal is supplied without sponsorship under CIL's scheme of liberalised sale by road.

(b) Coal India Ltd. has no plans to arrange supplies of coal through

coal dealers. No coal dealer is registered with Coal India Ltd.

(c) Does not arise.

पूर्वी क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति में रुकावट

1297. श्री राम अवधेश सिंह : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश के पूर्वी क्षेत्र अर्थात, बिहार, पश्चिमी बंगाल और उड़ीसा में बिजली की आपूर्ति के पूर्णतया ठप्प होने के क्या कारण हैं ;

(ख) इसके परिणामस्वरूप विशेषत: इस क्षेत्र में और सामान्यत: सम्पूर्ण देश की अर्थव्यवस्था का अनुमानत: कुल कितना नुकसान हुआ है ;

(ग) भाविष्य में बिजली के इस प्रकार से बन्द न होने देने के लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है; और

(घ) भारत के पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिण और उत्तरी क्षेत्रों में तापीय तथा जल विद्युत का क्षेत्र-वार कुल उत्पादन कितना-कितना है और उनकी क्षेत्र-वार बिजली की मांग कितनी कितनी है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र) : (क) और (ख) दिनांक 25/26 जून, 1990 की रात्रि को पूर्वी क्षेत्र में ग्रिड संबंधी गड़गड़ी हुई थी जिसका कारण विद्युत का अपर्याप्त उत्पादन होना, उपयुक्त ग्रिड-नियंत्रण की व्यवस्था न होना, प्रतिक्रियाशील प्रतिपूर्ति अपर्याप्त होना, पारेषण एवं संचार सुविधाएं अपर्याप्त होना भार प्रेषण हेतु प्रशिक्षित जनशक्ति उपलब्ध न होना आदि था। यद्यपि उक्त गड़गड़ के परिणामस्वरूप केवल विद्युत सप्लाई फेल होने के कारण क्षेत्र/देश की अर्थव्यवस्था को हुई हानि की मात्र का आकलन कर पाना संभव नहीं है तथापि, कोयला, इस्पात और रेलवे कर्षण (ट्रेक्शन) जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की विद्युत की सप्लाई पर विपरीत प्रभाव पड़ा था ।

(ग) पूर्वी क्षेत्र और देश में अन्यत्र इस प्रकार की ग्रिड संबंधी गड़बड़ की पुनरावृत्ति से बचने के लिए किए गए / प्रस्तावित उपायों में ये शामिल हैं--भार प्रबंध एवं संयोजी लाइनों में विद्युत प्रवाह संबंधी निर्धारण का सख्ती से पालन करना, क्षेत्रीय ग्रिड के प्रचालन का प्रभावी रूप से समन्वय करना, पारेषण/परिणमन (ट्रांसफोर्मेशन) क्षमताओं का सुदृढ़ करना, पारेषण प्रणाली के संघटकों के फेल होने संबंधी स्थिति का विश्लेषण करना और भार प्रेषण एवं टेलीमीटरी प्रणालियों का सुदृढ़ करना आदि ।

(घ) अप्रैल–जुलाई, 1990 की अवधि के लिए अपेक्षित सूचना नीचे दी गई है :--

क्षेत्र	विद्युत उत्पादन (मि०यू०) ताप विद्युत	जल विद्युत	मांग (मि०यू०)	उपलब्धता (मि०यू०)
उत्तरी	16434	10301	26858	25654
पश्चिमी	25068	2214	25670	24932
दक्षिणी	12355	7762	22385	19640
पूर्वी	6808	1294	10440	8625